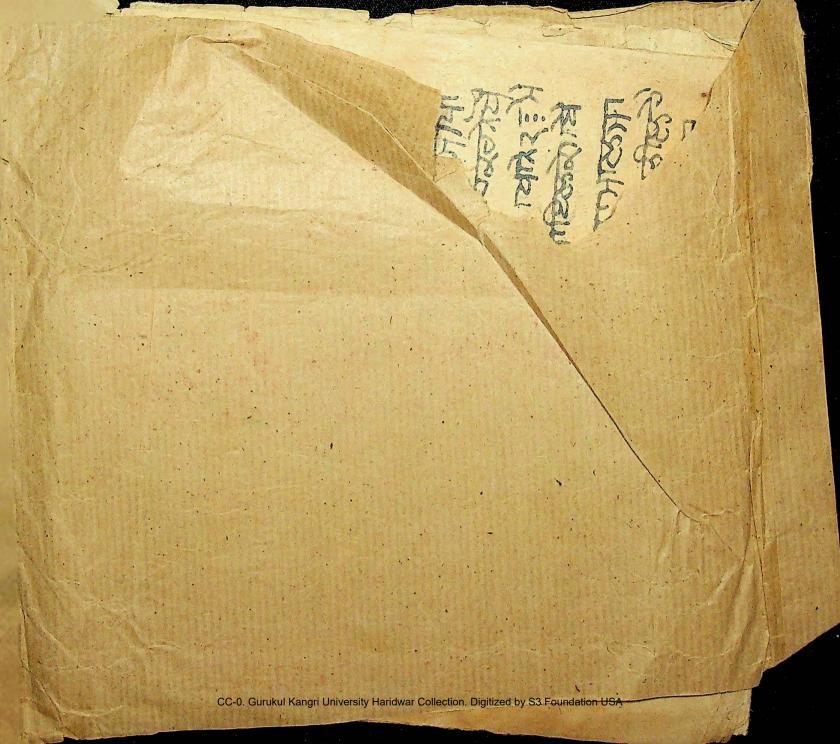
हिन्दी पुस्तकों के लिए!

कोन: २६२०१



तार: राजपालसन्ज दिल्लो

राजपाल एन्ड सन्ज्ञ कश्मीरीगेट - दिल्ली-६



भे = गिमराष्ट्रीष्ठियंगत्रेवयम्बित्राभाभ ११ स्रियागान्ने हिस्सान्या विषेत्र विष्या विषय ने स्टार्क्स स्टिंग विम्प्येटिस निम्प्येटिस खें हिस्सी एक इंपिर में राक्षा त्या प्रकामी है छहउदम्बान्यान्ये क्रीन्तरिकाम्ब वन्द्रिनिन्निन्न कुष्या तार्थकरा सन्धारिक विनामहक्ता ग्राथ मार्चे वारेड्रे = हार्डा हरेड्रियन ह निर्वेष्ठिक्षिक्षिक्षित्रका राह्मिष्ठ महन्रतियं वैद्या किया के प्राचित्र के मार्थित सिर्मान एकमाहरूवामहिकारात्रांमिकि न्। रासिक्ष के का विद्य हें विश्व कि विश्व के वि सकी। विन नेत्रभामबेका लिवही भावन्ता हमडेका चारे ही है। हा कि का के किया गया है।

रवया क्रीयमेग्स । जाना प्रस्ति । प्रस्ति । प्रस्ति । ना विषयासिमा निर्माहेरीकी। रनार्थी भागीचित्रामाम् इस्ट्रियामा इस्ट्रियाम् हिम्ला खर्ड मारीक्री क्षेत्रमासे इम्में दे किंग्रेडिकी भारतागाध्यका क्रिनितान चिलाक्रमान्नेया भेहाद्ये भी केलाक्रमाक्ष्य है। क्रियारामिका निर्माक्षामिक था। खेरहीली हुआ। भारानेत्रावर वा लिवगमल्यताहिकोवा लिवचेवीवारे रिकिस्भिक्काः = सिर्धायेष्ट्रामिक् प्रदेश हिल एकि एक अधिक वित्र व नागाध्यवागगडनी। ग्रहमेर प्रतिमावे ायाते भें ने । स्वासिक्ये किया ने विद्याया The Gurdich Kangri University Narjowar Collection Digitized by \$3 Foundation USA

भिनामचंत्रीभीवारचाम्यान्ते व्याप्ति १११११२ एसिस्मेष्ट्रम्या व्यर्डमहरूर में अधियात भी कार्बन्द्र में अधियात भी कार्बन्द्र में अर्था मिन्द्रिंड अन्त्रीं क्षित्रका संभारे विकासभारी खारेश न रहास्त्रीसम्बद्धीया मीर्सास्त्राचा न भीवर्गा सम्भारे वा उन्हों । भीवर्ग यभग्राखानमाष्ट्रक्या भारे १३५ = ग्टाकीरम्गेष्टिप्ना जिल्ह्याष्टिस्उस्य उचरपेमेर्ग्णारी मित्रीग्राह्मा स्वभा ट्रे मायहर में राहिस्त हराम डे लेंगाष्टिख्यामद्ये सेहंटाजराप्या ते १६१ = । राखिद्यिया अपेरेटी

वेशभावस्त्रमाध्स्त्रागमस्वेरहो ग्येज्य मगाधिवामहनमेह टना लावे शिवा मा त्र १४भे = ग्राक्षित्र है थ्या ने प्रत्यकारि ठिदी के निहा जार हासी गाउँ विद्या के निहा जार हा जार हा जार है। मिं होरी वेहामने । यह माने । हारे १६ :-ग्टाडी हु उरिया । त्राच्या नमारिस त्या क्रिप्रकारिका किया विभिन्ने त्रेष्ट्रम्डोब्डेग क्लेब्डीभावीम्घ्उथार् भनीबात्रथमात्रवरः। वित्रवीमवाम्वरण गहा गराष्ठीक्रमें हैं यह तार ने भेड गरिय वर्षे समारिखका की बचरेपावी हारी। उग्हमा हिद्यमग्रद्धिमा भारते रिग्रावावश्ववराग्धतेरभे । राजीक

गर्था हिथा है अवदेट छिता है भी किया है। प्राप्तिक के ग्राह्मा सामा से विकास प्रमेट्री हाराक्षास रेकिता है। हाराक्षार है। अमग्रीनेहिन्ग्रहान्द्रक्रिम्टिनग्धार त्यारेट्री इं एडिएडिएडिया एउडियें उन तेदानीवेमीन्यळामा ।मंहववेद्यीनमा राउदी प्राप्ति, भाराकुल्ये प्रिया दिहार उद्मह्याको लिन्द्रीराधें ग्राहार मार्चित्रायामात्रात्रातिकार कृतिकार ग्याराजित्रभगउड्डिका तार्थ ११ में रहा सर्विया भिवारमासम्प्रेटमेश्रेन्छा । गिलेंडिक काला इंपिर्श्रिया परिंडिक प्रिया वित्रनेग्रहेमेरा) विवमस्य किता कितारे

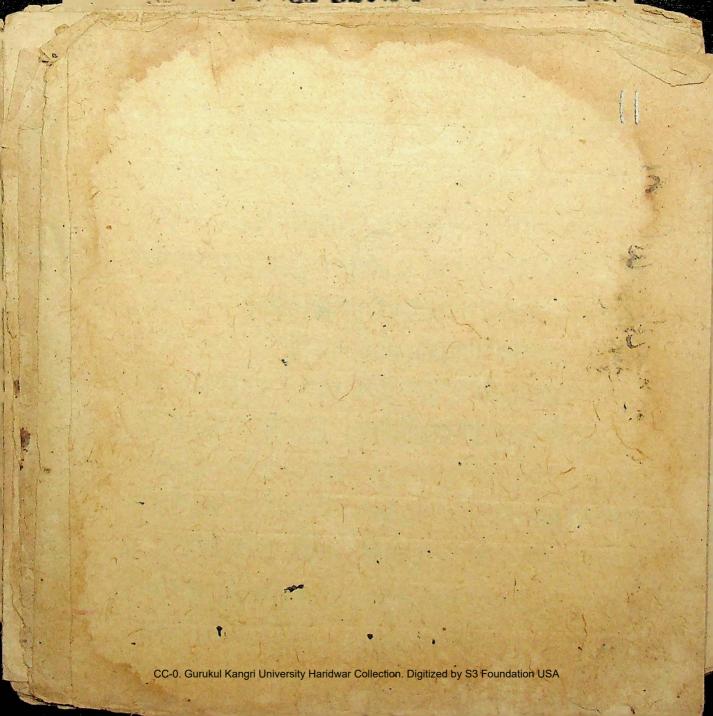
ग्डटना लाबेरीका भारे १३ में इंग्टार्का स्यक्ताव्यक्तिक्ष्याप्यक्तिका मिन्छिलाईगायारे १६म हाराखीछे 'क्ञिशासहस्रहार्भाग्रहरूके। ग्राज्य यात्रात्र १४१ में त्यात्राह्य लिए किन्छारा-तामार्टर्ने सारा एप विर हमहन्माध्रहेबचेहे। क्रिन्यसन्ग वें उन्हें भारा किया किया किया किया है भेड़ारालासी किया जामल नेरेडान भ । उद्दर्धको निसंभ मुख्य में पना देगामित उत्याहित मिलाए इ यम्बद्धाः भिर्माम् १८ अण्डान्स

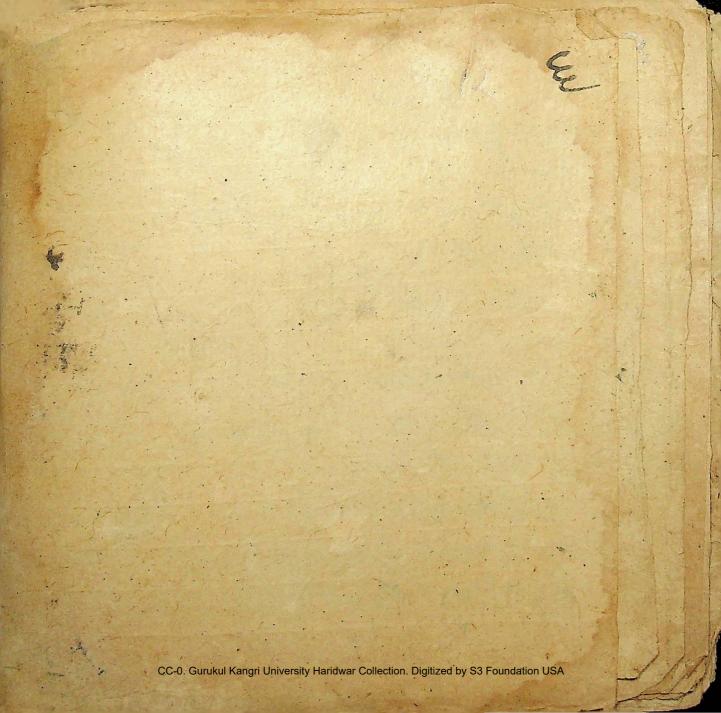
वेशीरेस्थारमें इंग्रास इंग्रेश भारत १५ डा अधिक्षित्र विदेशास "गाध्यके । प्रवासेम्बर्ग स्वासेम्बर्ग च रिरायदेगाको भेवनेनीवारेगर डेमारावेदामी हिमदा इक्रांमार ्यारेट्रेसे हारासाडा इसिंग्रामा वेगमें छें के लिस्ट्रायन मार्थे हैं अपने किश्चार मार्येहां भारत्येहां भविष्टि मिया डिस्डिक इस्ता "रेथरेग्रहरेयेंद्वे"। गर्म भरेष्ट्रे रिमेंग के लीनमहन्ये मध्यों रे लेनिष्ट अमेर्ड ए ने भी ≣ 'ਦਾ ਨੀਲ ਹੈ ਉਪ ਰਾਖ ਸੀ 'ਹ ਨੇ ਮਾਈ ਕੇ। क्रीन्यान्यान्यीयन्द्री प्रान

वान्से लोग्स्डम्ब्रीकेन्स्त्वेमाले ८ च मरग्दे लेंच मासंग्दे वेग्नासमिति मार्डा १ हित्सा हित्सा प्रस्कार है। उंगडांश्री बंदेशें जीन्भरेबन्यामहन्या मेर्त्रया वारेश) इंग्एडिस्थे मेरा व्या भस्बी उम्में निर्मित हिम्मेर हिम्मेर हिम्मेर किया है। वा लेख्यस्य अध्यय स्वयं महन्य अप्रेच्या मार्गभेत्रे = रच्छास्येष्ट्रम् रीम्मेश्रह्ग्ड्मिर्विड्मी कार् तहांचेल दनभेटे केल भामनेको प्यारेस्थे **इत्यास्त्रिक्षेत्रका क्षिणाविक्रमाभाक्ष** चेनित्राहिन्ग्याहरूको। तमान्यीभान्यीश ਮਾਰੀਆਦਾਹੋਵਾ ਸਮਾਫਾਰੇਹਸਲਹੋਰ ਸੋਹ ग्रारिज्याज्ये हिला हिला है।

स्विह ने कि मार्थित प्रायमित कि विकास अध्या इसिन्ध्रमा एमहत्रामा हिस्सामा क्रियका संवर्धित्रमहक्री अस्ति। तिवंगता अविभीना गाउँ वह नाव गरे। भे शंक्षार्थित्वेद्विच्युक्ति क्रिक्षां है ज्याते १४) भे हे ज्याक्षाक्ष वे भिना ज्यू रुवा भारतिक गार्थिया निर्मातिका विकास क्रिमेर्डिया ग्येने मारीउभाभव्यवमानको लें जाम उल्लास अवस्था मारी १ इंग्लास कार्या मारी १ इंग्लास कार्या सारी १ इंग्लास कार्या सार्वित विस्वा व्यव्यवारिमात्रा म्यंस्य रहारी मेथरी उद्देश प्रमिथा प्रिक्ष मेथरी है। । भागे यह भागाराष्ठाष्ठ विध्या । हर्द्यात

हुले भने भारते। भने संस्कृतिकर निर्देशा दिसहस्वत्थेता लिमहस्वनेतिह उरमाधारे १० भे : विथ्यातिका जिस्ति नगायसारायः भिवस्ति जेला गंगले निहिम्सी उन्हों में किल गुभाई देगायन रहे हिंग त्या है । रहिंग सर्विप्ना ग्यहिष्रगित्रिक्रियात्राचित्रग्वा में ग्रंतरेलारेमडेका विश्विभरमंग्रंती रेघुभागा त्याते १२ भें च्याहीत्य गेंघ्रसमा रिक्रायाच्याचित्र विकास्त्र हिल्ला द्वेया वेटया रेभे देश वह दमा सामा लिह्न वह स्टारमभी भारत वह निर्मा





ग्रासीस्डिंग्रामिग्रामिग्रामि गंभगेतागुष्ठाभेका। व्यवानाता विनाभडगान्सा हथभाग्रेटिभावेटा प्रामाच्चेचेट्यायात्रेश्रे हे रहासीस्र क्रिया जिस्मिम्सिमिक्सि एक्षे भित्राणीयनगानिकालस्य माध्य वंसाध्मारीके लिएनमें क्रिमाध्मारी दे व्रेणमार्गामा साहिरकी अधिकारी नेद्धा भिन्न महा होनेद्धा भाष न् भें इंशक्षित्र भें किया विद्याला में में र्मित्रमित्रमित्रिमा गिष्ठिमित्रमित्रिक्ष हिमाहिनी। स्राम्यीभाव सामहाचे सा मक्षेत्र मार्थित मार्थ

यायवामयम्यायवारवेकारमात्र ५ डीव्यव्याक्तीभोभोषात्रेंभेडे ग्लंडी सम्बाग मारे आबते महबमनरीवले मीनसरउभागाउष्टिविरोगानिक भीनानि के मिर्द्रिक कि निक्रिया न्यमा त्र भारतबाडिय भाग्न भीनभगवास्त्र गार्गे निगरिउ यागते आस्त्रीपरग्री त्रवांप्रगप्रसाम्बर्गा मिर्गिता । त्रवांप्रमार्गिता महनेमां ग्लामेरे वीभवाममिष्ठवररम ने महामध्वनाता। त्याते पेत्रे गरारी स भेष्ट्रमा "महन हम्भेरे मेराम्ये याया भैग्नेरीष्ठिभामारे भेन्टमुडेबीउन्डेमें भेन्टिमें डे

उदी भगवमहन्द्र मंत्रेका मात्रे १५इ व्यारिक्षेत्रिका भिन्न भाष्ट्री। भीव गमहन्मान क्याप्रवास्त्रिया में नहीं विभाज है। हिन यहा भारी। स्थारे रिस्त्री विष्ट्रिक्षिति । विष्ट्रिक्षि । विष्ट्रिक्षिति । दे जिस्माराभाष्ट्रया मास्य मीवेग लिवस्त्रस्य भाग्न वार्षित आप्राचेता हिम्सिसामा हिम्सिसामा ं जिनिवाभी जिनमहा विवोच पर र्राष्ट्राम्प्रहर्मा ।मध्यार भे = ग्राक्षास्त्रेष्टिभवा ग्राह्मामारहानाम

यहां भारे स्था भारे के एसमारे भेरम जानम्याद्वीद्याजीवश्र द्याणाग्या सम्मान्द्र । में भूनव्य उन्हें भी कि स्थित विगरी लिग्रेटी सेर्यारे नारावरीं म गां उत्तराहि एमारे श्रीयिशिस्डी गरें। मार १इ में इ । राष्ट्रीय ने मा रिसर एडिए एउन में जिल्ला के महामान वित्रगाविग्डरेटा लिग्जिसे मेर मर्गिट क्रविवनगरिम ररमिटा मिए तिरिक्ति कि ने स्वाधित ने प्रिका भीति मलन उरिस्मां जिस्सी जाम्स विश्व निलम सम्बाधिक स्थानिक स्थानिक विकास

या हमें हैं । रास्तिया हमें प्राचिता नेतेभासको जिंग्रहातीमुख्याजेनांभीताम जित्रा। क्षेत्रच्या अवस्था । जिल्ला नेता लिंग्नीभाववेडामीयद्यार मदास मार्थस्व के हास कि मार्थ के क्रिक्स के किया मिन्स के किया के यभीवेट्वा खारे१-भेड गराष्ठीखरीएय विराधिक विषयित्र विराधिक विराध उहमां लोग्नार्गार्गाम् वार्गाम् मार्थित्काक्षान् इसि राम् रेंछअओगरड्का अवस्था अवस्था अमा अस्डिपेंग्स्याम्बान्स्योमा मिरेकिश्वा इस्टर्सिम

निम्तारावेरा नाभीतिनवम्रिराउराम ने च भीयाच रेवाह री। जगादी। भी चित्रें व उग्हेंग्डनेन हैं भिर्माणकिने हैंग सिरिटार्मिकाली होता हिस्सिर्टिनि वा येग्नरा हम अन्तरी जिन्मामदेव छ। वि गरित्विक्षाका इमि अर्गार गरित अवडव्सीटनारायोहे क्रायवदावमरा पारेग नासामाने सही जानार किरान भावका स्वारेश्ने हे हे रहासा हिन्ति भगरगम्ह ने रेवे। विजयारी साम्यामी वे नेपरेकारे उदरा करावी समायद्गाने C-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

अंत्री गण सायन महं डेथेन सका मेरे मयीमार्चिरी। जाम्हें मामिष्ठम क्षारादिर क्षिति स्थारिहास्ति । एक स्वतिया । इस्ति । इस्ति । अस्म । इस्ति । रस्यारके। क्रियेव व्यवस्था स्था मिलग्ग भारा भिरीको बेक्रेले भेड यवस्त्र आध्या है। यह से हि खिर में हिना में किया है में बहु ल्क्यामभूम् स्वयाक्षायाक्षा स्वर्धितार्थित भरग्रेड्याम् जिल्ला क्रिके राहीखंगेंग त्रवस्त्र भागत्रम्याविश लरीमधीरेमाछ हामउग्मल्यारे भाम CC-0. Scrukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

भारे भ भे इं विक्रिक्त वे भ र्या संभोदी गट्यमं हे गर्भ हमा मुंबी उन हम इंडे श्रीस्थार्यात्रिकार्यात्र सम्बामाध्ये भेग्नेस्माद्याय ग्लेनियमउगानेदेश हरे। ग्लेन्ना उपिरुधमारयेग्सरा। लाव्याना न्तरहागधाता इं सालकि धियात्रार् कि नेवानी उने गाध्यात्री से भगवी भागमं सेंह येडगण्डे निमधममदेग चें हें प्रदेश हैं अपने प्रदेश निके इंग्रिक्ष (पहाज्यकार्यकार्यात्रकार्या मराष्ठी छुने सह भड़ भड़ वहां सम्भ प्रमित । इंडिक डे निर्मा CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

<u> इत्राक्षक्रम्या विद्यभागात्रेवय</u> यंडीवरा भएडेंपण्यति येविषयोग अभारे १६)) = रेशकारिकारिकार विभाग क्रिम्सडिएड विविष्ट हुना सम्बद्ध हराडे अखबर्गभेरेदे गर्मी होग हा : जयाके निमानद्व ग स्डिंग मिन्रेटी इत्राप्त्र विक्रा दिक्ष विक्रमान्त्र विक्रमान्त्र रसिस्मिष्ट्यां प्रसर्थियाः स्थान्य के क्रीनमध्यक्षित्रमामार्थित्वराधिभ गर भगरिष्मदी गंग्रहार शिक्सि हा म्बारे १६५ = र्डाक्रिक्रकित्य अस्त वमाध्स्रवां महावेदा मान्नामा महीन and 94) = respondention (A)

'हरउदानवानके निरुक्तान हरू ग्वानभागीरेडदेग्रेड्याधि १६१ ≡ ग्टाही स्रुभेष्टिभग चंत्रस्म संहवीदेग नेत्रव निमार्थ्य जेमगान्ड हे हिब्द्धान संरम्धा ग्वायकित्यास्य । भारति इं अमीरामसरवेदेमारेउपरिकासेअबड मुंग्लें भिन्नुभगर्थिय प्रतिकारी किंग्लें में ना उठ्डामिष्टला रेप्टानी रंग उन्हें त्याप्री निवासिक विका उलप्रदेवानका मियह प्राच्डेवाकी क्रानिकारि यता क्रोत्रभें नारिक्षिक्ष में निमंत्रीष्ठा शक्ष्येत लिंग्सेनीनेक पर्वतंत्ररीववापाध्य मीर्वेग्ट्रायारेभी: रहाडी संग्रेपना यमीनगा CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection, Digitized by S3 Foundation USA

्रमिन्दि। उण्डासारमाने ग्लासी की भी क्रांग्राहायाम क्रीत्यामक्रव्या था रे १९११ : राष्ट्राय देवाग्वरंगारा रिराडीके क्रीन्ध्रमीचाम्रक्रचेतीद्वर्थे रमिश्रास्त्रमानाम्यम् । स्टाटिन्ड ने नेका भाविक्यान्यक्षणायं के विकास इंग्डें। सार्थाष्ट्रिकितिर्माग्रहरें महार रांग्रेट लिस्टी निस्टी हो भारे में भें एडिएम्डिय्न तथ्रामाय्यत्राभः गरगमस्वरे हिन्द्रमामस्मेन सावाउँ के जारिष्ठत्रहरमाहै ज्यात्र विश्व किया हिन्द अडस्वमान्स्टिसका एडक्सेडिफ्से ३१ राष्ट्रा इच्छाराण्ड्रान्सिस्टर्ह

हिअभ्यमप्रकामाप्रयोभे न जिद्यास्त्र भे न । भग्नारपारावयेन से स्माम्येमा हो ग्रा यंडेक्गायाते ६ में = त्राक्षीक वेडिपनामान यानीद्रवत्रारुरदेवरभेवस द्रवीय माण्णेव अन्मन्यत्यामाम्बद्धमामा चारे अभेराष्टी सर्विता विद्रमाहस्याध्येक मन्य जिराज्याज्ञ के अन्तर्भ एक सम्बद्धार्थिय । स्रामं हे गान हिंग निर्मा है। स्राम्य महिरान प्रिट्यारिहीएखरी विधिन वननवा गार्डगिरामाधरम्कार के स्मानामलग्रीउन्दान्यक्रीके वारेट ਮੇ = ਇਲੀਲਹੋਉਪਰ। ਕਵਤਇਲਮਦੀਨਕੇ। युमोर्मनात्यामर्देश विश्वेतमर्वेशकादेश निष्ठित्रात्र े जिस्त्रीस्त्री ।



इ र एक्टीक वेडिन्या विकीवादी है बगा में १६ आहा भिवनेशियद्ये उनस्मिटने जिस्तर रेत्र) इत्तिस्य केने व्याप्त ्वगारिष्ठवाहेचत्रासीका, नर्भवगास चेववाडिवगम् भारे । क्रीव घरमा हरवोय्या स्मित्र १६) इ र एकी एके किया लिएयेंड ट्रम्भिर्या विनाजवम्ब उण्डा र भारे १ में इं रहासास्त्रेष्ट्रभग तेर्वाग रुमारिस्तरे में सुमहन भ्यानदेश महो मुंद्रेश निदंगमृग्द्रेमभुगारित गा ते ये भेग्राखा खार किया गार की मार की चेत्राह्यच्यवेष्ठित्रोदेव्त्वेत्र लीव्यंती वास्त्राज्येही ग्याते इभेगरासिक्येष्ट्रिया

गह कर महीवामा महें हे बें के की हु गरे विचएंचेबीउच्छोंशंत्रीलिंचहेरायेच्छे त्याप्रिक्ति हिन्द्राक्ष्याचा इति वर्षावा त्रवीको बनारावेदामसर्वेडवाको वर्षे नेंद्री की नाष्टित मागरिवों नंद्री में अधिकारिव दमेश्यग्रेमगर्गार्गार्गार्थान्य देगरमानेभउदगडनाभीन्द्रान्त्रग्रेग के स्राप्ति हे । हास्य के निया भिष्या छर्ग्यादेश लिंग्याद्रीमहाराज्या डिमेदो लिस्पेनकप्राधित्रिद्विया लिस् हार्गताम्बर्धियां हमें उदाउव्होंगाया हेटेसर्गार्थको गुरुग्र छेडीमेहेरान रा प्राप्तानिविद्यालया में विद्यालया प्राप्ता पर

र्मेन्नविप्रभाग्याम् हेन्न्या निर्मेन्न । स्थान कार्या निर्मेन्न स्थान कार्या निर्मेन स्थान कार्या निर्मेन्न स्थान कार्या निर्मेन स्थान कार्या निर्मेन स्थान कार्या निर्मेन स्थान कार्य निर्मेन स्थान कार्या निर्मेन स्था निर्मेन स्थान कार्या निर्मेन स्थान स्थान क

प्रविद्धार हिन्दुर्गत्रका प्रदेशकार् हु सुर्गा ्राज्यात्रकाशाह्य-विकान्न स्थान्यात्राह्या स्भेड रहारीक्षिक्रमा हिन्दुमाहमेष के जीवनमारेनमारहरा किया है देशेंड एने मार नेप्रहों गाड़ भार केरी वा अस्यानाहाराष्ट्रीय रिविधानिकानिकान महिनेरेगत्रीभृष्वित्रावनीत्राभिवर्गरे माउनगन्दा याते ११) इ रहाछी। क्रमें एक किया है। किया क्रमें के में क्राम्यकी एन मास्ये व्यादिक्याम समायारे १९४ हारास्ट्रा हे भेगा। वहाज का विषेत्र के नियं के विषेत्र के विषेत् श्रेग्डीते अपनिष्ठी । वर्गडीते । सार्धियाद्या प्रयोग्या एक

य्ष्ठेष्ठे प्रियुगा में द्रिस्टिंग उर्दि १५ हमें उन्योगान्द्रायकी क्रान्स्योगित्रायन्त्री मिंग्रेसी इ इ हि सि कि कि विस्थित उटहरममिक्निवहरुरिदीके विष्कायम स्थाया । अवस्था । अवस्था । अवस्था । अवस्था । अवस्था । इंग्डिसियेष्ट्रेग्डा । सर्ववाबीम्यं के न्यावी युद्धशिक्षाक्रिया जिनाय वृद्धिगार उगुरुमोब्द्ध उद्योग लेख्यरण सी भाषा भारते ही हिंदी, जिंदाउन्द्री जर डेट्छंडामार्डिक्या प्रवेगार उस्नियमेका अविभवनिव सालीव उ छाडेका न्यारे ३ म हां का छा छा ने हिए हा क्रिमारीके लिखार जेग्भाष्ट्रा प्रवादोभेने चुमचब्रजमें में हें ने हिए एमा ते क्ष

रमभममा । इंड जार विषय नियमित । 'बेन्डतकेजमाद्रीसभेवीसील्गा थामे १३भे इ रहाराधिका रहायमागरियोस्र हिन उरीव्यासहिर्गामासामारे १४ में इ ग्राहीम् विस्ता निमिष्ठाम् डीडाम् विस्तिवी लिएंडेसी गुडह्डहरू गरिस्पार गेहादी । विवयम्भाहत्यावीत्रग्रानेष्टी टा सिर् १६में किस्टास्त्र हैने सिर् सिर् सिर् सिर् भाउउभाग्नवाभेग्ने सहस्यो । त्रिमुख्युक्या वनवामुख्यम्हा त्यारेशभं न्याहाह अध्या एक अध्या हा उन्हार का निष्य म्ब्रिक्स हिमेर्यम्स्रिक्रियां वर्भ भविष्यम् विष्यमा भिष्यमा भिष्यमा

मित्रकी लिये हेरिय के गिसाभडीगाध्यिया किंगिसाम्बर्गाम रीदी। किर्णास्त्राधार्यक्राम्याक्ष्मवं विका के च्या रास्तिक के किया ना स्वासिक स्थानिक रिय मस्टेंच्लालेंच्छंडमंशिविंचचेलाक्रिमान यागल हार हुई। इसिड भेडा हिस्सिल हैंगा ग्रेलघ्यडी छीमात्रकी महनमें हैराउँ हो मह तेंगोटेशाधारे १-भाराकाक्षेधाना ह चरी विस्वासमानामा से बी उस्टों। वि न्यां मेहरावेट् दिण्या वस्मू न्यां मह ਰਸੇਮਚਾਦ ਗਾਮਲ ਹੋਵੇ। ਇਸਨੇ 49 ਮੇਂ = ਹੈਲੀ संग्रीयाग मिहारी तमेरे हैराहि। रिम् में न्यान कार्मा सिव्हा सिव्हास्त में मिर्ग भेड़ा हास कि के किया हिंदि साम

महमहमें भेड़े के मिल्या के में किया है। मिल्या के में किया है। राशक मेरिया विद्यान्त्र राह्मे मेरि अभारे देखेंद्री विस्ट उथे पर भवत्वर भाग क्रीन विक्वारी वाष्ट्राया में १९१ रसिक्नेक्रिम्न मारीच्रीद्वा विश्वेती मिंग्डेंप्रिन्ती मेथिती। ग्रह्डपेंप्सेमा सिरमाराके मिनभेग्या हेमयायान गीं त्यारे नर्भे = राहका में प्राचा तर्ड रमभनेको लिखारां जेना खेना किर्मा स्टार्म लिंड असी आर्य स्मित्र भी हें या संग्रेरीच्या प्रो १३भे = राष्ठि मुक्ता प्रदेव निहेंद्र विगागिष्टिं न्यस्थाने । नाउवउदाभाष्ठवेवाना श्रित्राष्ट्रीकार्गालडमा क्रित्राष्ट्रीयीभाव

थस्त्राधेरवंगोवंगाभमवस्यां त्रिस्ती त्राप्रेश्में हारासास्त्रे हिथला जलपार्थे माप्रेक्टिकानका ग्रेटिमीमा मधीन देशेल गृहिंगराह्मवर्गारे वाग्या में मारीहरे समीगमहाने रममित्रबहु उन्नेग्या ने हो डे खिला हिंदी हैं कि है। व्यवेभावे। भिवश्वाभाववेदात्रवेहाना ਦਾਹੋਵੇ। ਅਤਿਅਛਾਹੋਵੇ ਸਵਵਾਨੀਕ ਕਮੇਸੇ यह जेरा भार में ने भारता केर अकर हामयहंभिता प्रिक्र हिन्देर्टिन्टेन भारेद्रभाषी केरवरक्षायारे १- में है। रिलिस ने मा व्यवधारमानेक देख भाष्टिला अर्गित विभाग्या मुख्यन मा तितिहास इतिहास

सिकार हिंग प्रवेद्धा कार्या है। सिकार कार्या है। ज्ञानिक्षेत्रं क्षिडिहरीं विक्री किंदिन दक्रानुमीदा । दारेने भे ई। राष्ट्राष्ट्रेण्य रंगड वय करेरित शिववेग माम हिन्दे के विशे लिंग्मी डारीबंरेकी स्मोर्भ हे रसकी रहमें केरिया। मिम्रीयारिया। लोग कियारियंगा निर्द्याक्षेत्रात्रिया के वित्रात्रिया के म त्रवग्नां का मुंगार का मारा के मारा मानिमामुख्यमाद्योद्या स्थारे थड़ी रराह्यहरु के कित्र । ब्रह्ड हर के हेरी भी व्समिरमेडेबेडवहों नियम्त्रिय्वमेष क्रीयाप्रेट्री इंग्डाइडिडिया प्रेडिया प्रे मीमानका गमान्हेरानेमाहरेताम् दुरमा रित्रकाने असे सम्मानिक विकास

क्या अप्री के इंडिसिस्मे किने अरह संग्रेश विग्राम्यमें लिखना किरा मेंहायमारी जीनमाड्नेनीबाग्रह्मा त्रमें मेडी हैं हासीस में करिया विभिन्न हैं मभारेकी गरीवहरामववडोंग गम बाभवे ः क्रावित्यास्ति हित्यास्ति विद्यास्ति । मनउग्लाहमी इतिर्मारा ति एक स्थाप ज्ञान्य गास्त्राह्य किलातिहरू (गानाम्बिद्धिकारः) इस्ट्रिया किर्धान 'उर्वात्रेरिमछ्ते । मेर्ने हिनेतात्रव्या वसा विकान्याहरा विकान्या । विकान् थवपरास्वयाभिका भारे द्री इ हिं साक्ष्मेष्टिया । त्रीगाउटे विकार के ली इरह्मारथेन्छताभित्रग्रह्मेह्

हिन्ना खरंत्रभेनम्भारत्या भूषेत्रमेनस्य ३३ गेंस्बामहर्गाभागम् सारामान्यामा मान भारमेश्वीमारमादिनगद्गादा प्राप् ग्रहाकारफ्रक्राकारमें इत्राक्षाचा = मिंह प्तामहराविकानिक्षाविकानिक्षिकानिकानिमान इति अशाय कि हिति सारहार किहिला ह राहित्रेष्टियन नगामस्टिश्वामित भीतवे भिवभायसभएकप्राधवाताराव हे। भिन्ना पिरुका पिरुका भारतिया हिला है। मारिस्त्रचाह्याको। यात्रे यभे इ रहास्यस्त्रचे हर्गाति विक्रिया क्रिक्टिक क्रिक्टिम अवभागवेंगा ग्राप्यां छवेग्राह्वर्ग देवा सक्राज्य इस्ति होता हिलारकेटियाचा में हैं। ना मिने निष्णि हिन महरने

भागीनाराग्रेश गोव्यवयोषेत्रहरू वीउनरीनरे। यारे भी = रहारेडिस क्रिका हिम्मिस्य विम् गायमार्माहेम् श्रिष्ठाम्या मिन् योग्छेष्ट्रेशमारीके क्लियमार्थी ज्यनेमा क्रिक्टिनिया प्रिटिनिया अस्त्रिया हिर्ग्लिमान्त्रिक विरामा = ग्रायाम्यक्ताना मित्राम्याचा = । इ.स.च्याम्याम्याम्यास्या अक्षेत्रे प्रशास्त्र दिन्न विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र व्याजिस्टिशार देश्रार विसायन यरणगासी प्रमागवी। हिडी विनोभेदा वनवार्यं डेमिस्के स्वार्यं हो इरहिए नेष्यवा 'महचंचत्रेरववेर्मव्हेरावेरा

वेग्गः त्रवोभवार्डमुन्ग्राम्महोते । स्मा सी हरे हरी । अरे १२ में इंग्सेस ने हरा रहमभरवेग्लेखकीहराष्ट्रियाच्याष्ट्रिया विस्त्राभिद्धियो। सामे १३)। है। राष्ट्रीक्षिके भुउछब्गाम्छ ने त्रेमा एउटे। भर्मे वीवा भारति है। गम्भादेश सम्ब्रिश है रिक्सिश किंगाम्ब ख्यमाध्येगमस्वरो महब्दीभाषीभावशी महाने) यारे १४ में एए हिस्से हैं। वि व्यविक्राची क्षेत्रस्त्राव्यक्षेत्र मित्रकादि। सिष्ठकोरी होन्सिरेश विरामित भें शरासी किया प्रिकेशिया में कार्डिन्डासाम्बद्धासम्बद्धानिकाः यभेडीमनेन्छर्भडार्थ्यमास्युर्दे।।तिष् सर्स्यायुग्याया यारे १ भे रास्टि

न्स्रा अवस्वभव्याद्या भिन्नासन रिल्डोरी) गरिविक्रभ्डम्छोयऐकी। योर भेडं म्हास्मिक्षेत्री एषद्स्यभेड्दान्डाः जित्रा इं रिप्रां भारतिया सिर्पे हें त्राक्षिति क्रिंग रमहनसाम्यहें वेचरे । देश शहरा मंडमग्रामानामा। स्वाप्रम् है। रहाही स्मरहोतां क्रिंगितिकारण एप्टिंख जेरामुबंख्दो भुक्तिम् । इस्क्रिम्स्रिया कार्र त्री हे । उत्हर्स्य किया प्राप्त हे साव भामते ढन हो देवी डत च गुंधी त्या भाषाता उदा येण्डलाध्यया। त्यारेही इंग्टाईड निर्मा हिंदित का का किन्या किन्या किन्या किन्य मब्नोहेर्डें विश्वामान्य त्रामानिया स्वित्रं न स्थिका इत्रिह्न हिन्द्रित्रं

ਭਿਗਦਾਸਾਇਲਕਾਸਦੀਕਰਮਕਾ ਪੈਤੇਜ਼ ਭਰਤੇਜ਼ ਪ੍ਰ रामिरका विशेषद्विम्डेमहन्में माञ्चलो मेरडाउडा योर्टोडाराडीडाराडीडीया। ररहात्व मेहिनोही। श्रीभागभगराउँ नारे नेवर्षिया नेभे भेरी हो हो ता मा प्यालन है सकता है सी भारत में अपनिर्मा १५ विद्यास्त्राह्म इ (रिर्माम्स्याह्माह चलनिविचित्रवादी मामद्यमें हैराउदेगयाते? भराक्षाह नेष्ट्रिया हेरायेन एत्रिहारी मार्थ सीयमान्द्राहिभाग्नेम्यमाहे।यो भारति स्तरेष्ट्रिया क्रिस्टिंग्रह्हिं रेसिंग्राम्बर्धिं गर्थे हिंग्र रमारिसन्थउगिहिणारेन्। अस्पन्देग्रे वारे १२ में इत्हास एड दिस्सिकार इति १९ होता Residence of the Co-O. Gurükul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

उद्रविभाषात्रिश्वे इस्हिलिये हिंग । ज्ञास्त्रवीया क्रिमाहवेल स्थानस्त्रिक प्राप्त केरे ज्यस्थित हिन्द्रात्ति विष्ट्रिक मिला हिन्द्रात्ति । अवर्षि भार की त्याप्रेश्नमं इंग्टाकी को किया कारतिरेके म्याक्रिक्षिण्यां मिष्ट्रावेष् त्रिभमें इंग्लंडिये क्या वित्रित्य याचिति। हिस्तिर हिलार प्रिवंश प्रविधान प्रविधान तिराक्षित पर्विद्धक्षिक राह्रिक्षिक परिकारित हरें अले। त्याहेरानी हराती क्रिक्टिंग क्रिक्टिंग शान्ती थेना अमेर कार्मिता क्या हिन्दा क्या है। इसी संभेदिना हा इन्हारी प्रकार किन्न हा निक्ष चलावा लिंग हेराय के हेराय के मार्थित के मार् भी जिल्लाम् तेर्ने तामकर ग्रंथित हो। THE RESERVENCE OF LANGUAGE DIGITIZED BY S3 Foundation USA

'रासिहिंगें भारति रस्तिहिंग मिहिंग से विविधिति । य देग लेग्डिम केगा डाइडियिमार्ग केरा डिल हमें समीगाम्ल के हे ग्यारेक्री : रिक्सिसंग्रे गुरतेबीवाच्यावदी किल्माहांकित है तीयाभागेनधानामा भीनस्टाने विद्यामा १६ सिर्धामान नेस्त्रमान्य प्रमाना पर डिर डोली र्रंट्रमिता परिविधासार मडाभीनाभावें मा लिएडवर्ग टेवी उन्हों यन्नराः यमिद्धिया प्राप्रेशः राष्ट्री हरें पा ही एक हिन्द्र हेन्सी मार्च है। जा अग्रेट्टिंग्डारेट्रा यात्रे १९३३ डिस्टिंग्र मिस्तार्वी हो छार्ची किंग्निया विकास किंग्निया हिला स्थानिया CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

असिड्मिड्मिएकिर्धियार्गिड्मिड्मिर नानिहास्तिहाडाडाडाडाडाना नामहर माध्यक्षेत्रचे हो ग्वेगंवग्रेग्रहोरेष्ट्राया तेत-भाराख्यक्षेत्रचेष्ट्या गार्ड्यक्रेयंगोराजेवी मह्चवी गतहाच्यां जवा को ग्रांचित्र गति । विप्र ११भें हासकारी प्रमानं प्रमानं भी १११ राष्ट्रा रेमेलेन्धित्तवकाभाववीष्टीता ग्यारेश्रभः रशसास्त्रास्त्राच्या ग्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र म्हार गरी श्रीमानकी हिनेरी हर वर्गरेंग वेटिटेशामोश्योः एएडएउनेक्या भरे मिम्बर्ग निर्माहित की निर्मा किन्ति में निर्मा वयंग्वर्ता, अद्यात्वारे १४) : । राहिष्टे किंग निगर्छ है ते । उस्त का विस्टा के विस की प्रमा " १४ माराहर के किया।

रेलनगमितिल्ख्विष्टम्वीनगण्डन्ता स्वतिनेत्र । त्यक्षिक्षक्षकः । सिर्वाक भ्राष्ट्रियां क्रियां महिन्द्रियां महिन्द्रिया रमेडेले माध्येती उन्हों सम्बद्धी क रिष्ट्रीया एक विद्याधारा इसिर्ड राष्ट्रा एक स्मान्त्रे दिन्द्रमान्त्रापा ग्रास्मान्त्र म्थ्यहरीच्या सार्थित है एक स्वाधित मिल्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया हिलाहिमी अवडों मारी तके। चरास्माहिल वार्ष्टिरंग्येष्यारेन्। : रासिरंग्येष्या मर्डाने रेब्र होता की जिस्सा है। जिस्सा इमार्डोड्याखरगढीकेट्री प्यारेड्रीः व्हिन्ने के निया विकास कि निया है कि निय है कि निया है कि निय है कि निया है कि निय है कि निया है कि निय है कि निया है कि निय ह ग्महत्रेथ्येकार्वमके लख्येम्बंसिकार्ग CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by \$3 Foundation L

रहाभारेभारको भगरणभारक्षेत्राहरू रिस्मिन्यमित्रमित्रस्थित है। ा।। दिन्द्रन्यानः स्थिति होता प्राप्ति गाइन्द्रशान्त्राम्य व्याप्ति । विपादनमाभनार्गमाइनेत्री मेलकी। भाषारे १भेः राखेरहे किया मीखा ज्यवरी यहंग्टमिती ग्रामियमितहांग्रेशियारे न्भेः ग्राहित्ने किया एक्स्य कियाना डिन्द्राभाष्ट्यो पित्राचा प्राच्या हिन्द्राभाष्ट्र गर्द भरउने हिनीभक्षा निम्हा कि हो। वेद्रायरोशेः स्टिन्स्य अपन ग्रेन्थ श्रेटमें इसेम में मह ने रास्त्र व्या यारेष्ये : रिक्षिक्षेत्रिया पर्वेशायग लक्षणमाष्ट्रिक्ट एउसमार्ग्यनेमार्थकमेगा

मयहंगीभागहंग्यी।। शिंभावामुल अग्रास त्मारे भे हें रिस्टिक कि कि हिंदी हैं सिर्मिक कि अहराने संग्रहाने संग्रहाने स्थाने हिंदी है। मिलार्षे क्षित्र हिन्द्र हिन्द सार्या इ. (इ. स्मान्या इ. स्मा यमें के विकास के कार है कि विकास के कि अद्वर्गारीव्हेड्डिडिशामार्डिडेडिशामार्डिशोड रिक्षिके किया प्रविद्या प्रविद्या किया है। रिक्षित्राध्यात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्र व्यह्यग्रह न्थी हे ते ग्रें ज्ला विकार हो नीउग्हों भर देगउन्मर्भत्याम्मरेस् भेडालका अध्यानाराम्यामारी बाजीव इमर्द्राके एक्ट्रियिते हे हैं। है इष्ट्रिया है। लामानिकारा हिंदी है।

रड़ भेग्रहाह्यहास्त्रभीय गासणाही भेवर्षिर अन्तिहरू नेमान्यारिहरू नेमान्यारिहरू किर्ग प्रमानप्रवेव क्षाक्षित्र मार्वेड दान्यामा क्षेत्रं क्ष्मित्र महादेखके मित्र मित्र मित्र व्याप्रविद्धार्थिय प्रिका विद्यार्थियार यदाराज्ञानम्। वार्षान्यस्थान्त्रम् रिस्टिन्स् में स्टिन्स् के स्टिन्स के स्टिन् प्राथिटिश्चित्रव्यव्यव्यव्येटिभेटिविस्त्रिमीपा राजातरमारीं याते १३ इक्षेण्यारी अकिर्ण क्रिड्याम्बर्ग्य क्रियां क्रियां अमिहार्सी। विष्येतिहा में रहार्स्टर में ज्ञांमाभउएम्गाव्स्रवेधकेन्द्रमाभंख श्रम् विस्तामा स्थित स्थत स्थित स्थि रमिल्लीकुर्म हमीरहा परक्रिक्रियाडा

ग्यद्वसाम्प्रहेंको । नाम्मेन्याने : भेग्राक्षाह्यविका त्रविद्याक्षण । महारा किसीज़िक किरिए कि हिर्गिक मिर्टि भेर राष्ट्रिय प्रियाचा प्राचित्र भेरा रियाचा भीर राष्ट्रियाचा भीर राष्ट्रि त्यात्वज्ञरा । मरग्दि सी भावती । जीवर्ष हमेत्रेंगभयाधिका ।यारें हें भे स्टाहां होते ज्यन्यमायहिका वाज्येक्सहन्दान मडोशिंगदार्वहरेतायोभिंग्डी। राष्ट्री स्कृतिया अर्दिक्काभाष्या । अविश्वारा बन्धावदी। विद्यामित्रवाकिता भरिनेत्री माध्यवेषदे में बुनु स्टिम् शिद्री माग्रेड ११ एड एड एड मिर हो एक एड होता रेक्ण के हिला के हिला के के निर्मा क वेरीर्विया याते १२ डे भारोस्टास्टा विया

थवेमारीजलमाधिसवासममग्वीउन्हमे २१ हमें में हानपा प्रेम्बी। क्रिन्महमान्नी विगेष्ये मिथे खाधारे र भे गराकेले छेगा रठकामिकामाले मारको मह ट्रमभूतव्यस्मातभाष्ठव्यन्त्वा स्थाते ३ स्ताप्तित्र विश्वा प्रस्वित्र स्थानित्र सिंह चडारी डेला भीनिभिज्ञात्तरारी निसी। मिर्ने हे में रिक्सिस है कि सिक्सिस है में भी वृष्टिराइअग्रेम् सम्प्रेश को वृद्धिरात्री। दाराकी त्यारेग्य इमें ग्लाकाड्ये क्या त्या चर्यद्गरियम्बी किंग्ज्यशिक्षाणा सहवयि मिव्हेर्यमें हाममुद्रेता यात्रे इसे म्हाइन्डिन्या । माराडिन्डा सिड

उद्ययमित्रमें विवास्था रिक्यो में विवास मिलेटाली मेग्डिमार भेग्डिमार किस्मेर्डिंगार्यमात्राग्छमारात्रे म्लेक्डेस्मभं द्रवास्त्रित भूति हासाय भिष्ठ भूति मिरा गर्य महरेत्रामा लिख्कामा लिख्कामा लिखार सीमानकी त्याप्रे १६डी । राष्ट्रीक्षे प्राम उ वस्वरवेश लेखिक मार्वेशिक मार्थित मिला निपा है। यारे १ : भे रच्छी छ ने हिंगा मिखा जब ने हो हुंग्रेमेले। मिन्निरामास्त्रेमा सारेरः भ राष्ट्रीक्षे भेरिया हिल्लामाल माधिक के वि ठव्येटीग्राम्भयिवैत । ज्ञाम्भाराभारमा स्याधारा हिंग्या क्रिकाचार्य स्थाप्ति छिग रिहार नितार हिन्दिन प्राप्त । एड

उत्प्रेत्राज्य भड़ अध्यात्र प्रमुख्य प्रमुख्य एने मारी जास सह या हो। हेन मिन्रा रामि ठवरा हमने भिर्वे काल्या । उवमार ने मन्त्रा लायारेभ इमेराखीष्ठेश्या तमवाराम डीलमर्सा ईन्स्मान्त्रसा यमीडकभेटिश्रं हामार्वेदोमा इंग्रेटिश्या ने इड़े भें ग्लाहिक किया नहीं भाववानी महिल्माराउदे। खारेश्डेमें रिल्डिडिंग चिया व्यवसारायको भी स्थान के मिर्टिमान के मार्थ मिछोग्डीगेवकी एविहिबनग्राट्यमेरीमणा य्रानिसे हेर्डिके प्रहाउँ प्राप्त इसी प्राप्त छ रेडिया विषिद्व वेर्व हेर जिंगा छ । वीचाराभाष्ट्रवी ग्हेरांग्रामाष्ट्रवंबरोगिथारे

यारे १ में दाखी छाउं हिया । व दे उद्या समान्त्री) मभमेनद्रभाष्ट्राध्येष्ट्रे लेन्ट्राध्येष्ट्रमा ष्यानगति वारेशभेः त्यक्षिते प्रेम हैटा य्यन्स्टिमालस्ट्रांसीमा क्रोन्सरउउधिमन्गो भगक्रमाम्डमडेबेडिमानांच्डे म्मेक्रीवरीय. अव्युव्यव्यव्यव्यव्याम् स्रो : स्राक्षेत्रेष्ट्रिंग खडाड्मभरको नारांजेरासार्थिताले वेरीहट्यक्टिक्यबहेणानारे।याते भें हिक्सिक में हिंदी हिंदी हिंदी सिक्सिक मित्र कि हिंदी मि अपरे । भारत्येनिविनिवामारिवयमारिकामा जारुमाष्टिस्त्याधिमार्भेगिडियं देरक्याभा त्रवयाकर्गवाहहेमयीनामध्यके प्राप्तिक में हिंह्युस्ट्रन्हेर्त भान्न इस माद्य द्यायान हे

भाग्याम् विकानमान्त्र । स्थित्र स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्